

Sixteenth Loksabha

an>

Title: Issue regarding proceedings of the House.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE (GULBARGA): Madam Speaker, Congress Party and all opposition parties are ready to discuss No Confidence Motion, Dalits issue, farmer's issue, and that of Nirav Modi who has looted money and escaped. We are ready to discuss all those issues. Kindly permit us.

The Parliamentary Affairs Minister is saying that we are not ready to discuss. We are ready to discuss every issue and we will reply to them. Therefore, I request you to kindly allow us to move the No Confidence Motion and other issues in the Parliament.

माननीय अध्यक्ष : करुणाकरण जी, क्या आप भी इसी मुद्दे पर बोलना चाहते हैं?

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Madam, we are ready to discuss any issue – Congress Party and all other political parties. So, we demand that you take up the No Confidence Motion. ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सौगत जी, आप भी इस पर बोल लीजिए।

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, for the last few days the House has been taking up No Confidence Motion without resolution. Kharge-ji just spoke in favour of it. ... *(Interruptions)* Madam, please listen to me. I want to point out Rule 198 where the No Confidence Motion is to be judged. ... *(Interruptions)* It is your position that the House has to be in order. This is what you are saying. But the Rules do not allow ... *(Interruptions)*

HON. SPEAKER: I am taking it and according to Rule I am taking.

अनंतकुमार जी, आपको क्या कहना है?

...(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्ष महोदया, हम इतना ही कहना चाहेंगे कि यदि पिछले 21 दिन से लोक सभा नहीं चल रही है और दूसरा सदन भी नहीं चल रहा है तो उसका एक ही कारण है कि कांग्रेस और कांग्रेस के नेतृत्व में...* और...* की वजह से नहीं चल रहा है। ...(व्यवधान) उन्होंने गतिरोध पैदा किया है। ...(व्यवधान) मैडम, पांच तारीख से सदन शुरू हुआ है और पांच तारीख से 27 तारीख तक उन्होंने नो कॉन्फिडेंस तक नहीं दिया। ...(व्यवधान) मैं सभी एनडीए और भाजपा के सदस्यों की सराहना करना चाहता हूँ कि उन्होंने पिछले 23 दिन का वेतन और भत्ता न लेने का एक साहसिक निर्णय लिया है। ...(व्यवधान) यह जनता की सेवा है। ...(व्यवधान) पैसा जनता का है। ...(व्यवधान) देश का पैसा है। ...(व्यवधान) करदाताओं का पैसा है। ...(व्यवधान) इसीलिए, हमने यह तय किया है कि स्वेच्छा से और बहुत पीड़ा से अपना वेतन-भत्ता नहीं लेंगे। ...(व्यवधान)

ये लोकतंत्र के खिलाफ काम कर रहे हैं, ये असहिष्णुता से काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान) नरेंद्र भाई मोदी जी को जो मैनडेट मिला है, मोदी सरकार को, भाजपा सरकार को जो मैनडेट मिला है, उसको ये लोग सहन कर नहीं पा रहे हैं, इसलिए ये दोनों सदनों में ऐसा कर रहे हैं। ...(व्यवधान) लेकिन हमने देश की जनता के वायदों का प्रतिनिधित्व करते हुए, स्वेच्छा से 23 दिन का वेतन और भत्ता न लेने का निर्णय किया है। ...(व्यवधान) इसलिए मैं सबकी सराहना करता हूँ। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nobody's name will go on record.

...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No names will go on record.

श्री अनन्तकुमार: अध्यक्ष महोदया, आखिर में मुझे इतना ही कहना है कि मेरे इतना बोलने के बाद, विपक्ष क्या करेगा?

...(व्यवधान) * क्या करेंगी? ...(व्यवधान) ...* क्या करेंगे तथा अन्य बाकी लोग क्या करेंगे? ...(व्यवधान) सदन

नहीं चलाते हुए, सदन को रोकते हुए, ये लोग वेतन-भत्ता लेंगे, इस बात को पूरा देश देख रहा है। ... (व्यवधान) इनको पूरे देश को जवाब देना पड़ेगा। ... (व्यवधान)
